

an>

Title: The Speaker made reference to the passing away of Shri Ananda Pathak, member, 7th, 8th and 12th Lok Sabhas; Shri Jarbom Gamlin, member, 13th Lok Sabha and Shri Abdul Rehman Antulay, member, 9th, 10th, 11th and 14th Lok Sabhas. She also made reference on the 30th Anniversary of the Bhopal Gas Tragedy.

माननीय अध्यक्ष ○: माननीय सदस्यों, मुझे सभा को तीन भूतपूर्व सदस्यों श्री आनंद पाठक, श्री जरबोम गामलिन और श्री अब्दुल रहमान अंतुले की दुखद मृत्यु के बारे में सूचित करना है।

श्री आनंद पाठक पथिम बंगाल के दार्जीलिंग संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवीं, आठवीं और बारहवीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री पाठक बारहवीं लोक सभा के दौरान उद्योग संबंधी समिति के सदस्य थे। श्री पाठक वर्ष 1977 से 1980 तक राज्य सभा के सदस्य थे। वे वर्ष 1971 से 1972 तक पथिम बंगाल विधान सभा के सदस्य भी रहे थे। विद्वान् श्री पाठक एक नेपाली पाकिस्तानी प्रतिक्रिया "अग्रदूत" के संपादक भी रहे। श्री आनंद पाठक का निधन 28 नवम्बर, 2014 को 84 वर्ष की आयु में पथिम बंगाल के सिलीगुड़ी में हुआ।

श्री जरबोम गामलिन अरुणाचल प्रदेश के अरुणाचल पथिम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए तेरहवीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री गामलिन तेरहवीं लोक सभा के दौरान रक्षा संबंधी समिति, अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां संबंधी समिति तथा ग्रन्थालय समिति के सदस्य थे।

श्री गामलिन अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य थे। इससे पूर्व वे अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे थे। श्री जरबोम गामलिन का निधन 30 नवम्बर, 2014 को गुडगांव में 53 वर्ष की आयु में हुआ।

श्री अब्दुल रहमान अंतुले महाराष्ट्र के कुलाबा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, जो आज यायनक है, इसका प्रतिनिधित्व करते हुए नौवीं, दसवीं, ब्यारहवीं और चौदहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री अंतुले दसवीं लोक सभा के दौरान सरकारी उपकरणों संबंधी समिति के सभापति और संसद सदस्यों के लिए सुविधाएं और लाभ संबंधी संयुक्त संसदीय समिति के सभापति थे। वे दो बार राज्य सभा के सदस्य भी रहे। समर्थ पृष्ठासक श्री अंतुले जून, 1995 से मई, 1996 तक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, फरवरी, 1996 से मई 1996 तक जल संसाधन मंत्री और जनवरी, 2006 से मई, 2009 तक फैनट्रीय सरकार में अल्पसंख्यक मामले के मंत्री रहे। श्री अंतुले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रहे। वे 1962 से 1976 तक और 1980 से 1989 तक महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य रहे। श्री अब्दुल रहमान अंतुले का निधन 2 दिसम्बर, 2014 को 85 वर्ष की आयु में मुम्बई में हुआ।

उमा अपने संठयोगी के निधन पर गँड़ा शोक व्यक्त करते हैं और शोक संताप परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हैं।

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज भोपाल गैस त्रासारी की 30वीं बरसी है। आज ही के दिन भोपाल को भीषण औतोगिक दुर्घटना का सामना करना पड़ा जिसमें हजारों लोगों की मृत्यु हो गई और अन्य अनेक लोग जानलेवा मिथाइल आइसोसाइनेट गैस की चपेट में आने के कारण अशक्त बना देने वाली गंभीर बीमारियों के शिकार हो गए।

यह सभा इस त्रासारी से प्रभावित लोगों के लिए अपना सतत समर्थन सहानुभूति दोषात्मक है।

अब सभा में उपरिथित सदस्य टिकंगत आत्माओं के सम्मान में कृपया थोड़ी देर मौन खड़े रहें।

11.02 hrs

The Members then stood in silence for short while.

श्री मलिलकार्जुन खड़गे (गुलबगां) : अध्यक्ष मर्टेल्या, मैं आपके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं। यह डमारा सीआन्स्य है कि आज प्रधान मंत्री जी हमारे सामने मौजूद हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने कहा कि सरपैशन अंक ववधन आवर का रूल नहीं होता।

â€!(ल्खणान)

माननीय अध्यक्ष : डेक की टिप्पणी आवश्यक नहीं है।

â€!(ल्खणान)

श्री मलिलकार्जुन खड़गे : आज प्रधान मंत्री जी आए हैं तो मैं उनके सामने एक महत्वपूर्ण विचार लाना चाहता हूं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने नोटिसेज में जो तीन विषय लिखकर दिए हैं, उन्हीं के बारे में बोलना चाहेंगे।

â€!(ल्खणान)

श्री मलिलकार्जुन खड़गे : मैं नोटिसेज के अलावा एक विषय के बारे में कहना चाहता हूं वर्तोंपरि प्रधान मंत्री जी यां उपरिथित हैं। कल एक मंत्री ने ऐसा व्यापार लिया था जिसके ऊपर चर्चा भी हो गई थी। उन्होंने अपना अपराध मान लिया। जब उन्होंने अपना अपराध मान लिया है तो प्रधान मंत्री जी को उन्हें अपने मंत्री पद से छोड़ देना चाहिए।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जो एडजर्नमेंट नोटिसेज दिए हैं, उन पर चर्चा भी हो चुकी है। अब एक भी एडजर्नमेंट नोटिस एडमिट करने जैसा नहीं है। मैं इसे निरस्त करती हूं।

â€!(ल्खणान)

माननीय अध्यक्ष : प्रधान संख्या 141 - श्री गढेश गिरी।

â€!(ल्खणान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. ऐसा नहीं होता है।

*(Interruptions) â€¢ **

माननीय अद्यक्ष : खड़गे जी, ऐसे अच्छा नहीं लगता। आपकी कोई बात शिकाई में नहीं जा रही है।

*(Interruptions) â€¢ **

माननीय अद्यक्ष : जगदमिका पाल जी, उन्हें पूर्ण पूछने दीजिए।

â€¢ (व्यापान)

11.07 hrs